



Anshu

10 Nov 1992

12:30 PM

Meerut

Model: web-freekundliweb

Order No: 121518104

लिंग _____: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि _____: 10/11/1992
दिन _____: मंगलवार
जन्म समय _____: 12:30:00 घंटे
इष्ट _____: 14:38:00 घटी
स्थान _____: Meerut
राज्य _____: Uttar Pradesh
देश _____: India

अक्षांश _____: 29:00:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 12:10:48 घंटे
वेलान्तर _____: 00:16:05 घंटे
साम्पातिक काल _____: 15:29:33 घंटे
सूर्योदय _____: 06:38:48 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:27:23 घंटे
दिनमान _____: 10:48:35 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: हेमन्त
सूर्य के अंश _____: 24:22:42 तुला
लग्न के अंश _____: 15:55:11 मकर

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: मकर - शनि
राशि-स्वामी _____: मेष - मंगल
नक्षत्र-चरण _____: भरणी - 3
नक्षत्र स्वामी _____: शुक्र
योग _____: वरियान
करण _____: बव
गण _____: मनुष्य
योनि _____: गज
नाड़ी _____: मध्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: चतुष्पाद
वर्ग _____: मृग
युँजा _____: पूर्व
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: ले-लेखा
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: वृश्चिक

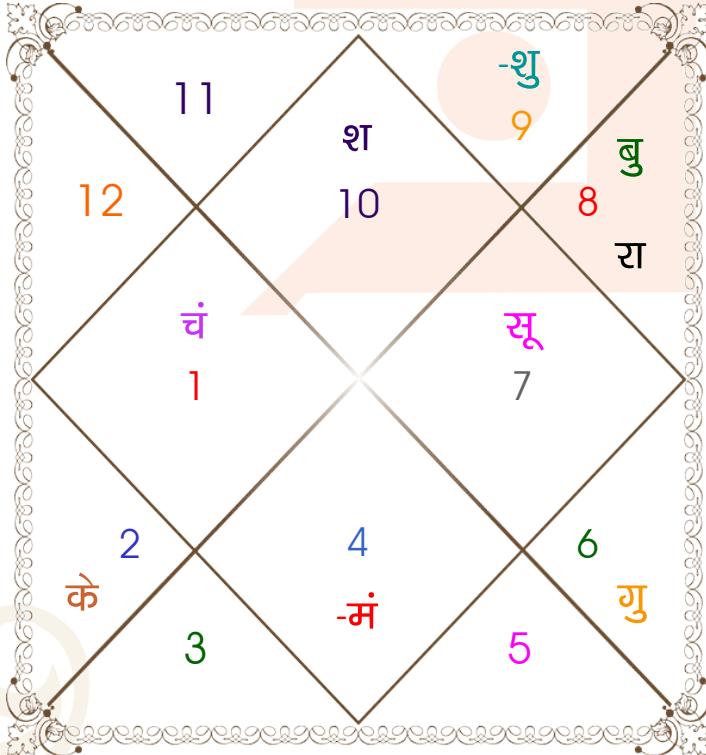
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---------|---|--------|----------|-----------|------------|----|-----|-------|-------|-------|------------|
| लग्न | | मक | 15:55:11 | 427:02:56 | श्रवण | 2 | 22 | शनि | चंद्र | शनि | --- |
| सूर्य | | तुला | 24:22:42 | 01:00:17 | विशाखा | 2 | 16 | शुक्र | गुरु | बुध | नीच राशि |
| चंद्र | | मेष | 23:12:34 | 13:00:42 | भरणी | 3 | 2 | मंगल | शुक्र | शनि | सम राशि |
| मंगल | | कर्क | 01:39:35 | 00:13:26 | पुनर्वसु | 4 | 7 | चंद्र | गुरु | राहु | नीच राशि |
| बुध | | वृश्चि | 14:31:42 | 00:09:34 | अनुराधा | 4 | 17 | मंगल | शनि | राहु | सम राशि |
| गुरु | | कन्या | 12:24:00 | 00:11:09 | हस्त | 1 | 13 | बुध | चंद्र | राहु | शत्रु राशि |
| शुक्र | | धनु | 02:20:13 | 01:12:17 | मूल | 1 | 19 | गुरु | केतु | शुक्र | सम राशि |
| शनि | | मक | 18:35:40 | 00:02:32 | श्रवण | 3 | 22 | शनि | चंद्र | बुध | स्वराशि |
| राहु | व | वृश्चि | 28:01:08 | 00:04:32 | ज्येष्ठा | 4 | 18 | मंगल | बुध | शनि | शत्रु राशि |
| केतु | व | वृष | 28:01:08 | 00:04:32 | मृगशिरा | 2 | 5 | शुक्र | मंगल | शनि | सम राशि |
| हर्ष | | धनु | 21:15:03 | 00:02:19 | पूर्वाषाढा | 3 | 20 | गुरु | शुक्र | गुरु | --- |
| नेप | | धनु | 22:56:12 | 00:01:23 | पूर्वाषाढा | 3 | 20 | गुरु | शुक्र | शनि | --- |
| प्लूटो | | तुला | 28:55:01 | 00:02:24 | विशाखा | 3 | 16 | शुक्र | गुरु | सूर्य | --- |
| दशम भाव | | वृश्चि | 00:59:20 | -- | विशाखा | -- | 16 | मंगल | गुरु | मंगल | -- |

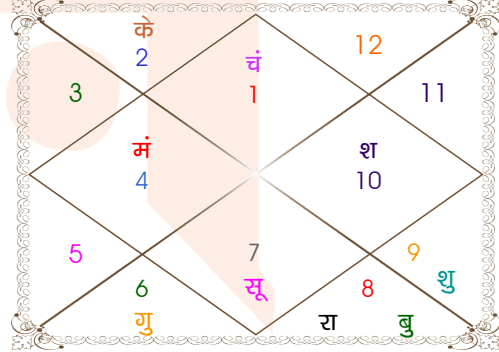
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:42

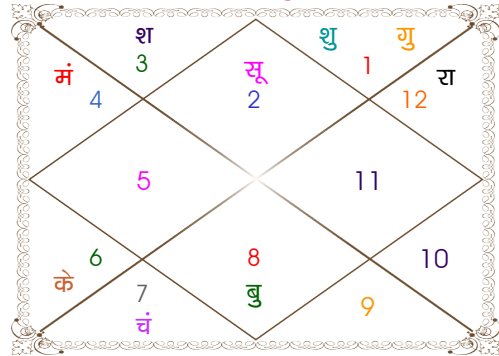
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 5 वर्ष 2 मास 7 दिन

| शुक्र 20 वर्ष | सूर्य 6 वर्ष | चंद्र 10 वर्ष | मंगल 7 वर्ष | राहु 18 वर्ष |
|-----------------|------------------|------------------|------------------|------------------|
| 10/11/1992 | 17/01/1998 | 18/01/2004 | 17/01/2014 | 17/01/2021 |
| 17/01/1998 | 18/01/2004 | 17/01/2014 | 17/01/2021 | 17/01/2039 |
| 00/00/0000 | सूर्य 07/05/1998 | चंद्र 17/11/2004 | मंगल 15/06/2014 | राहु 30/09/2023 |
| 00/00/0000 | चंद्र 05/11/1998 | मंगल 18/06/2005 | राहु 04/07/2015 | गुरु 23/02/2026 |
| 00/00/0000 | मंगल 13/03/1999 | राहु 18/12/2006 | गुरु 09/06/2016 | शनि 30/12/2028 |
| 00/00/0000 | राहु 05/02/2000 | गुरु 18/04/2008 | शनि 19/07/2017 | बुध 19/07/2031 |
| 00/00/0000 | गुरु 23/11/2000 | शनि 17/11/2009 | बुध 16/07/2018 | केतु 06/08/2032 |
| 10/11/1992 | शनि 05/11/2001 | बुध 19/04/2011 | केतु 12/12/2018 | शुक्र 06/08/2035 |
| शनि 17/01/1994 | बुध 12/09/2002 | केतु 18/11/2011 | शुक्र 11/02/2020 | सूर्य 30/06/2036 |
| बुध 17/11/1996 | केतु 17/01/2003 | शुक्र 19/07/2013 | सूर्य 18/06/2020 | चंद्र 30/12/2037 |
| केतु 17/01/1998 | शुक्र 18/01/2004 | सूर्य 17/01/2014 | चंद्र 17/01/2021 | मंगल 17/01/2039 |

| गुरु 16 वर्ष | शनि 19 वर्ष | बुध 17 वर्ष | केतु 7 वर्ष | शुक्र 20 वर्ष |
|------------------|------------------|------------------|------------------|------------------|
| 17/01/2039 | 17/01/2055 | 17/01/2074 | 17/01/2091 | 17/01/2098 |
| 17/01/2055 | 17/01/2074 | 17/01/2091 | 17/01/2098 | 00/00/0000 |
| गुरु 07/03/2041 | शनि 20/01/2058 | बुध 15/06/2076 | केतु 16/06/2091 | शुक्र 20/05/2101 |
| शनि 18/09/2043 | बुध 29/09/2060 | केतु 12/06/2077 | शुक्र 15/08/2092 | सूर्य 20/05/2102 |
| बुध 24/12/2045 | केतु 08/11/2061 | शुक्र 12/04/2080 | सूर्य 21/12/2092 | चंद्र 19/01/2104 |
| केतु 30/11/2046 | शुक्र 08/01/2065 | सूर्य 16/02/2081 | चंद्र 22/07/2093 | मंगल 20/03/2105 |
| शुक्र 31/07/2049 | सूर्य 21/12/2065 | चंद्र 19/07/2082 | मंगल 18/12/2093 | राहु 20/03/2108 |
| सूर्य 19/05/2050 | चंद्र 22/07/2067 | मंगल 16/07/2083 | राहु 05/01/2095 | गुरु 19/11/2110 |
| चंद्र 18/09/2051 | मंगल 30/08/2068 | राहु 01/02/2086 | गुरु 12/12/2095 | शनि 11/11/2112 |
| मंगल 24/08/2052 | राहु 07/07/2071 | गुरु 09/05/2088 | शनि 20/01/2097 | 00/00/0000 |
| राहु 17/01/2055 | गुरु 17/01/2074 | शनि 17/01/2091 | बुध 17/01/2098 | 00/00/0000 |

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 5 वर्ष 1 मा 24 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्मकालिक आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म श्रवण नक्षत्र के द्वितीय चरण में मकर लग्न में वृषभ राशि के नवमांश एवं वृषभ राशीय द्रेष्काण के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म प्रभाव से ऐसी संभावनाओं का सृजन हो रहा है कि आपका जीवन धन प्रसन्नता से युक्त फलदायी एवं प्रसन्नतम होगा। आप इन बातों में विश्वास रखती हो कि किसी भी प्रकार की प्रतियोगिता में सफल होने के लिए धीमी गति क्यों न हो। नियमित एवं लगनशीलता से युक्त हो, तो मनुष्य अवश्य सफल होता है। आप अपनी साहसिक प्रवृत्ति के प्रति आशान्वित रह सकती हो। अतएव आप शेष कार्यों के बाद योजनानुरूप लक्ष्य तक पहुंचने के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करती हो।

यदि आप ऐड़ी से चोटी तक पहुंचने के लिए उपयुक्त पथ पर चल रही हो, तो आप सर्वथा नाम, प्रसिद्धि एवं अतिरिक्त धन उपार्जित कर सकती हो। यदि आप गायन कला, गणित एवं ज्योतिष कला के प्रति रुचिवान बन कर सीखने के प्रति स्नेहशील रही तो आप प्रसिद्ध महिला बन कर किसी भी प्रकार की समस्याओं से निवृत्ति की राय दे सकती हो तथा समस्याओं का अन्वेषण करने की जमानत ले सकती हो। आपकी यह भी भूमिका रहती है कि आप अपनी इच्छानुसार उनके सहयोग के लिए अपने अतिरिक्त समय का उपयोग कर सकती है। आप सामाजिक कार्य में अपना बहुमूल्य समय का सदुपयोग करोगी। आप धीमी गति से अपने द्वारा संचालित सामाजिक कार्य में सफल हो सकती हो।

आपके जीवन का स्वर्णिम काल आपकी आयु के 19 वें वर्ष से 24 वें वर्ष के अंतराल में प्रमाणित होगा जब आपकी स्थिति अच्छी, व्यवसाय हेतु उत्तम एवं भरपूर लाभ हेतु सौभाग्यशाली समय होगा।

आप अपनी प्रतिभा के अनुरूप व्यवसाय का चयन कर लाभ प्राप्ति हेतु प्रस्तुत होंगी। अतएव आपके लिए सम्मतियुक्त विचारणीय यह है कि अपनी इच्छा के अनुरूप विस्तृताकार उपव्यवसाय यथा कृषि कार्य, खनिज, कोयला, खनन कार्य, पेट्रोल, तेल का (डीलरशीप) वितरण कार्य। रेफ्रिजरेटर एवं कूलर का कार्यादि कर सकती हैं।

आपका घरेलू जीवन फलता फूलता हुआ दृष्टिगत होगा। आपके पति सुंदर एवं कठिन श्रम करने वाले तथा आपके बच्चे आपको अंगीकृत करने वाले होंगे। आपका घर शांत एवं सुखद वातावरण से युक्त होगा।

आप अपने पारिवारिक सदस्यों के लिए अंतर्मुखी होंगी तथा स्पष्ट रूप से अपने परिवार के समक्ष आपकी प्रवृत्ति स्नेहपूर्ण रहेगा। तथापि वे आपके समक्ष किसी प्रकार की गलती नहीं करेंगे। बल्कि वे विशुद्ध आत्मा से आपका सहयोग करेंगे।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य एकरूपता लिए हुआ अच्छा रहेगा। परंतु कुछ वर्षों के पश्चात् कतिपय रोगादि से आप प्रभावित हो सकते हैं, यथा अपाचन क्रिया, कफ, सर्दी, जुकाम एवं चर्म रोगादि खुजली, खाज, बेचैनी आदि रोग। इसके विरुद्ध आपको अच्छी प्रकार

अपने घरेलू चिकित्सक से समय-समय पर विमर्श करना चाहिए। आप सर्वथा कुछ छोटे-छोटे शारीरिक दुर्घटना के प्रति सतर्क रहेंगी। इसलिए सावधानी पूर्वक चलना फिरना चढ़ना, उतरना अथवा सीढ़ी (जीने) पर चढ़ना-उतरना तथा ऊँची स्थान से छलांग लगाने की प्रवृत्ति को बहिष्कृत करना होगा।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, काला, लाल एवं नीला रंग भली प्रकार आपके अनुरूप है। परंतु आपके लिए रंग पीला एवं क्रीम रंग अव्यवहारणीय है।

आपके लिए वास्तविक रूप से अनुकूल अंक 6, 8 एवं 9 अंक भाग्यशाली है। परंतु अंक 3 आपके लिए निश्चित रूप से परेशानी उत्पन्न कराने वाला है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार का दिन महत्वपूर्ण कार्य संपादन हेतु सर्वथा अनुकूल है। परंतु रविवार, सोमवार एवं गुरुवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं हानिकारक है। अतएव इन दिनों का त्याग करें।

